(घ) यदि हां, तो उपरोक्त वर्षो के दौरान प्रत्येक वर्ष में कितनी-कितनी राशि ऋण-अदायगी के रूप में बैंको को प्राप्त हुई?

वित्त मंत्रालय में (बैंकिग, राजस्व तथा बीमा) में राज्य मंत्री (श्री कादम्बूर एम.आर. जनार्दनन) : (क) बैंकों की देयराशियों की वसूली के लिए बैंक चूककर्ताओं के साथ अनुवर्ती कार्रवाई करता है । वसूली के लिए मुकदमें आमतौर पर तभी दायर किए जाते है जब वसूली के अन्य प्रयास असफल को जाते है

(ख) से (घ) मार्च 1996, 1997 और 1998 को समाप्त वर्ष को स्थिति के अनुसार ऋण वसूली अधिकरण के पास दर्ज किए गए / हस्तांतरित किए मामलों की कुल संख्या, उनमें अन्तर्ग्रस्त राशि तथा वसूल की गई राशि नीचे दी गई है:–

(करोड़ रूपए)

		1996	1997	1998
1.	हस्तांतरित / दायर मामले	6338	11635	18878
2.	अन्तर्ग्रस्तराशि	10122.24	14313.59	23378.28
3.	निपटाए गए मामलों की सं.	579	1627	3734
4.	अन्तर्ग्रस्तराशि	442.28	958.69	2137.06 करोड़ रूपए
5.	वसूल की गई राशि	74.27	153.54	420.38

कर्मचारी निरीक्षण ईकाई द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट

2512. **श्री बरजिन्दर सिंह** :

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रह सच है कि सरकार ने वर्ष 1964 में कर्मचारी निरीक्षण इकाई की स्थापना की थी;

(ख) यदि हां, तो इस इकाई के अधिकार एवं दायित्व कौन-कौन से है;

(ग) क्या यह सच है कि इस इकाई ने अपनी अध्ययन –रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है;

(घ) यदि हां, तो इस इकाई द्वारा जुलाई , 1998 तक की अवधि सहित विगत तीन वर्षो के दौरान सौंपी गयी रिर्पोटों का ब्यौरा क्या है और इस रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने अब तक क्या कार्यवाही की है?

वित्त मंत्री (श्री यशवंत सिन्हा): (क) व्यव विभाद के पूर्व विशे पुनर्गठन एकक को पुनर्निमित करते हुए अप्रैल, 1964 मे कर्मचारी निरीक्षण एकक का गठन किया गया था ।

(ख) इस एकक का दायित्व मितव्ययिता सुनिश्चित करने की दृष्टि से भारत सरकार की संस्थापनाओं के कर्मचारियों की समीक्षा करना है ।

(ग) और (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और एकत्र होते ही सदन के पठल पर प्रस्तुत की जाएगी ।

Closure of Accounts of Bhatt Family in Bank of India, Mumbai Branch

2513. KUMARI NIRMALA DESHPANDE: Will the Minister of *FINANCE* be pleased to state:

(a) whether all accounts of Bhatt family in Bank of India D.N. Road Branch, Fort, Mumbai were closed in April, 1995 at the instance of anonymous telephone call reportedly from enforcement Directorate to Head Office of Bank of India;

(b) whether Bank did not reopen the Accounts inspite of representation and accounts were kept suspended for a fortnight causing financial loss and damage to business reputation to the party;